COMPOSITE- HINDI
PROSE

CHAPTER - 1

समस्या

- प्रेमचंद

प्रस्तुत कहानी 'समस्या' के लेखक प्रेमचंद हैं। इस कहानी में लेखक ने एक 'गरीब' नाम के चपरासी का यथार्थवादी चित्रण किया है। गरीब एक सीधा सादा चपरासी था। लेखक ने देखा कि अन्य तीन चपरासी उसका लाभ उठाते थे, गरीब को कोई नहीं पूछता था। सभी उसकी शिकायत करते रहते थे। दफ्तर में सबसे महनती होते हुये भी वह सबकी डाँट फटकार सुनता था।

एक दिन लेखक ने गरीब को धूर्तता का पाठ सिखाया और कहा कि दफ्तर वालों के लिए दूध दही ले आया करे, सभी उससे प्रसन्न हो जायेंगे। कुछ ही दिनों में गरीब में बहुत परिवर्तन आ गया। वह दफ्तर भी देर से आने लगा, बड़े बाबू को दूध, दही की सौगात मिल जाती थी तो वे भी खुश थे, उसे कुछ नहीं कहते थे। वह हर काम के लिए कमीशन लेने लगा। लेखक भी गरीब का नया रूप देख कर दंग रह गए और अफसोस

Study SSC Online

करने लगे कि व्यर्थ ही उन्होंने गरीब को प्रतिष्ठा प्राप्ति का मार्ग दिखाया, उसकी तो आत्म प्रतिष्ठा का भी बलिदान हो गया।

Study SSC Online

QUESTIONS

प्र.१. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग छह–सात पंक्तियों में लिखिए:

१. दफ्तर के लोग 'गरीब' के साथ कैसा व्यवहार करते थे?

प्र.२. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक–एक वाक्य में लिखिए:

१. दफ्तर के बाकी तीन कर्मचारी कैसे थे?

प्र.३. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो:

१. यहाँ तक कि तीनों चपरासी उस पर .... जताते हैं।

Study SSC Online

ANSWERS

प्र.१. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग छह–सात पंक्तियों में लिखिए:

१. दफ्तर के लोग 'गरीब' के साथ कैसा व्यवहार करते थे?

उत्तर :

प्रस्तुत कहानी 'समस्या' के लेखक प्रेमचंद हैं। इस कहानी में लेखक ने एक 'गरीब' नाम के चपरासी का यथार्थवादी चित्रण किया है। गरीब एक सीधा सादा चपरासी था। लेखक ने देखा कि अन्य तीन चपरासी उसका लाभ उठाते थे, गरीब को कोई नहीं पूछता था। सभी उसकी शिकायत करते रहते थे। दफ्तर में सबसे महनती होते हुये भी वह सबकी डाँट फटकार सुनता था।

एक दिन बड़े बाबू की मेज पर दावात उलट गई और स्याही फैल गई। बड़े बाबू ने गुस्से में गरीब को बहुत फटकार लगाई, उसके कान तक ऐंठ दिए तथा खूब गालियाँ भी दीं। गरीब ने चुपचाप सब सह लिया।

इसप्रकार दफ्तर के लोग गरीब के साथ अत्यंत बुरा व्यवहार करते थे।

Study SSC Online

प्र.२. <u>निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक–एक वाक्य में लिखिए:</u>

१. दफ्तर के बाकी तीन कर्मचारी कैसे थे?

उत्तर :

दफ्तर के बाकी तीन कर्मचारी कामचोर, गुस्ताख और आलसी थे।

प्र.३. <u>रिक्त स्थानों की पूर्ति करो:</u>

१. यहाँ तक कि तीनों चपरासी उस पर <u>हुकूमत</u> जताते हैं।

*****

Study SSC Online